Syllabus

MUSIC (SITAR)

(Assistant Professor-Higher Education)

(Subject Code-26)

1. **Technical-Terminology**

Dhwani, Nada, Shruti, Swara, Gram – Moorchana, Jati, Raga, Tala, Laya and laykari, Gamak, Gandharva – Gaan, Marga – Deshi, Geet, Gaan, Varna, Alankar, Melody, Harmony, Musical Scales, Musical intervals, Consonance – Dissonance. Overtones, Western and South Indian terminology, Alpatwa Bhutwa, Abirbhav, Tirobhav, Kriti, Varnam Counter Point, Sonata etc.

Meend, Khatka, Murki, JamJama, Krintan, Soot, Ghaseet, Chal Achal Thath, Gat, Jod, Jhala, Baz, Roopkalap. Ragalap, Swasthanniyam, Western Musical Scale, Claf, Key Signature, Parmale Praveshak Rag, Aashray Rag, Sandhiprakash Rag, Addhwadarshak Swar, Tan, Toda, Kaku, Kutap Etc

2. **Applied theory**

Detailed and critical study of classification of Ragas, i.e., Jati Rag Vargikaran, Grama Raga vargikaran, Mela Raga Vargikaran, Raga – Ragini Vargikaran, Thata Raga Vargikaran, and Raganga Vargikaran, Time – theory of Ragas, Use of Harmony melody in north Indian Music, Placement of Shuddha and Vikrit Swaras on Shruties in ancient, medieval and modern period. Sarana Chatushtai, Rag Dhayan, Rag Chitra, Ten Prans of Taal. Comparative study of Swar, Raag and Taal in Hindustani and Karnatak system.

Rag Lakshan, 72 Mela of Pt. Vayanketmakahi, Ten Thats of Pt. Bhatkhande

3. **Compositional Forms and their description**

Prabandha, Dhrupad, Khyal, Dhamar, Thumri, Tappa and Tarana,Tirvat, Chaturang, Bhajan, Gajal, Chaiti, Kajri, Padam, Kirtanam, Kriti, Varnanam, Jawali, Geetam, Pallvi, Tillana, Maseetkhani, Razakhani gats, Firojkhani Gat, Amirkhani Gat

4. **Gharanas and Baj**

Origin and Development of Gharanas in Hindustani Music and their contribution in reserving and promoting traditional Hindustani Classical Music. Merits and demerits of Gharana System.

Origin and Development of Gharanas in Instrumental music sitar.

Relation between Gayaki and Tantra ang of Sitar playing style.

Specialties of playing style of different Gharana, Structure of Sitar and playing components of different Gharana

5. **Contribution of Scholars to Indian Music and their textual tradition**

Narad, Bharat, Dattil, Matanga, Sharangadeva, Ramamatya, Pundarik Vitthal, Somnath, Ahobal, Vynkatmakhi, Sriniwas, Pt. Bhatkhande.

Life sketch and contribution of the following, Imdad Kahn, Ustad Inayat Khan, Ustad Allauddin Khan, Ustad Amjad Ali Khan, Ustad Mushtak Ali Khan, Pt. Ravi Shankar, Pt. Nikhil Banerjee. Pt. Lalmani Mishra, Pt. Gokul Chandra Nag, Ustd. Vilayat Khan, Pt. Manilal Nag, Ustd. Abdul Haleem Jafer Khan, Dr. Thakur Jaidev Singh, Dr. Premlata Sharma, Smt. Annpurna Devi

6. **Aesthetics**

Aesthetics and Rasa theory and its application to Indian Music.
Relationship of Musical aesthetics and Rasa to Hindustani Music (Vocal and Instrumental).

7. **Instruments**
Origin, evolution, structure of various instruments (Tantra and Sushir) and their well – known exponents of Hindustani Music.
Classification of Instruments in Hindustani Music.
Western Instruments Clarionet Chello Piano Mandolian
String Instruments - Sitar, Sarod, Dilruba, Sur Bahar, Rudra Veena, Santoor, Guitar, Tanpura, Violin
Wind Instruments (Sushir Vaddhya) – Flute, Shehany

8. **Folk Music**
Influence of folk music on North Indian Classical Music. Study of main Folk Vocal style and Folk Instrument of U.P.

9. **Music Teaching and Research Technologies**
The methodologies of music research, preparing synopsis, data collection, field work, writing project reports, finding bibliography, reference material etc. utility of teaching aids like electronic Instruments in Music Education.

10. **Detailed study of the following Ragas** with Avirbhav-Tirobhav, Alpatva-Bahutva etc. Bhairav, yaman, Bhairvi, Khamaj, Bihag, Ahir Bhairav, Nat Bhairav, Pooriya, Marwa, Sohani, Basant, Paraj, Jog, Maroo Bihag, Pooriya Kalyan, Todi, Multani, Darbari, Adana, Miyan Malhar, Bahar, Jaunpuri, Bhimpalasi, Asavari, Madhuwanti, Patdeep, Kafi, Poorvi, Bilawal, Alaihya Bilawal, Gurzari Todi, Bilaskhani Todi, Puriya Dhanashri, Megh Mallhar, Shivranjani, Aabhogi Kanhada, Vibhash, Kalingada, Deshkar, Malkauns, Jayjayvanti, Desh, Tilang, Gurjari Todi, Deshi, Vairagi, Lalit.
11. **History Of Indian Music, Origin And Development-**
Pre-Vedic, Post- Vedic, Ancient, Medival And Modern Period.
12. **Detail Study Of Hindustani Talas-**
Teen Tal, Tilwada, Eak Tal, Char Tal, Jhap Tal, Sool Tal, Rupak Tal, Tivra Tal, Aada Char Tal, GajJhampa Tal, Dhamar, Pancham Sawari , Punjabi, Bramaha, Lakshmi, Rudra, Karnatakiya Tal, Sapt Tal And Sapt Jati, Tal Chinha

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

संगीत (सितार)
(सहायक आचार्य–उच्च शिक्षा)
(विषय कोड–26)

1. पारिभाषिक शब्दावली :

ध्वनि, नाद, श्रुति, स्वर, ग्राम–मूर्छना, जाति, राग, ताल, लय एवं लयकारी, गमक, गांधर्व–गान, मार्ग–देशी, गीति, गान, वर्ण, अलंकार, हार्मनी मेलॉडी, स्वर–सप्तक, स्वर–अन्तराल, सुसंवाद, विसंवाद, उपस्वर, पाश्चात्य एवं कर्नाटक पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका वर्णन। अल्पत्व–बहुत्व, आविर्भाव–तिरोभाव, कृति, वर्णम, काउन्टर पाइन्ट, सोनाटा, मींड, खटका, मुर्की, जमजमा कृन्तन घसीट, चल अचल ठाठ, सूत, गत, जोड़, झाला, बाज, रूपकालाप, रागालाप, स्वस्थाननियम पाश्चात्य स्वर– सप्तक, क्लैफ, की सिग्नेचर, परमेल प्रवेशक राग, आश्रय राग, सन्धि प्रकाश राग, अध्वदर्शक स्वर, काकू, कुतप, तान–तोड़ा आदि।

2. प्रयोगात्मक शास्त्र :

रागों का विस्तृत एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन, रागों का वर्गीकरण जाति– राग वर्गीकरण, ग्राम–राग वर्गीकरण, मेल–राग वर्गीकरण, राग–रागिनी वर्गीकरण, थाट–राग वर्गीकरण एवं रागांग वर्गीकरण, रागों का समय–सिद्धान्त, उत्तर भारतीय संगीत में मेलोडी एवं हार्मनी का प्रयोग, प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक काल में श्रुतियों पर शुद्व–विकृत स्वरों का स्थापना, सारणा चतुष्टयी, रागध्यान, रागचित्र

ताल के दस प्राण, हिन्दुस्तानी और कर्नाटक पद्धति में स्वर, राग एवं ताल का तुलनात्मक अध्ययन, राग लक्षण, व्यंकटमखी के 72 मेल, पं0 भातखंडे के 10 थाटों का अध्ययन।

3. गेय विधाएं तथा उनका कमिक विकास :

प्रबन्ध, ध्रुपद, ख्याल, धमार, ठुमरी, टप्पा, तराना, तिरवट, चतुरंग, भजन, गजल, चैती, कजरी, पदम, कीर्तनम्, कृति, वर्णनम्, जावलि, गीतम्, पल्लवी, तिल्लाना, मसीतखानी, रजाखानी गत, फिरोजखानी गत, अमीरखानी गत

4. घराना और बाज :

हिन्दुस्तानी संगीत में घराना का उद्गम और विकास। पारम्परिक हिन्दुस्तानी संगीत की प्रगति तथा संरक्षण में घरानों का योगदान। घराना पद्धति के गुण–दोष।

तंत्र वादन के प्रमुख घरानों का अध्ययन। सितार वादन शैली में गायकी और तंत्र अंग का आपसी सम्बंध, विभिन्न घरानों के सितार वादन शैली की प्रमुख विशेषताएं, वाद्य की बनावट एवं वादन सामग्री।

5. भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान एवं उनकी शास्त्रात्मक परम्परा :

नारद, भरत, दत्तिल, मतंग, शारंगदेव, रामामात्य, पुंडरीक विट्ठल, सोमनाथ, अहोबल, व्यंकटमखी, श्रीनिवास, पं0 भातखण्डे।

जीवनी एवं योगदान : इमदाद खां, उ0 इनायत खाँ, उस्ताद अलाउद्दीन खां, अमजद अली खॉ, मुस्ताक अली खॉ, पं0 रवि शंकर, पं0 निखिल बनर्जी, पं0 लालमणि मिश्र, पं0 गोकुल चन्द्र नाग, पं0 मणि लाल नाग, उ0 विलायत खाँ, पं. मणिलाल नाग, उ0 अब्दुल हलीम

जाफर खाँ, पं0 देबू चौधरी, डॉ0 ठाकुर जयदेव सिंह, डॉ0 प्रेमलता शर्मा, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

6. **सौन्दर्यशास्त्र :**
सौंदर्य तथा रस सिद्वान्त एवं भारतीय संगीत में इसका प्रयोग।
हिन्दुस्तानी संगीत (कंठ एवं वादन) का सांगीतिक सौन्दर्य शास्त्र तथा रस से सम्बन्ध।

7. **वाद्य :**
हिन्दुस्तानी संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य (तंत्र एवं सुषिर) उनकी उत्पत्ति, विकास तथा सुप्रसिद्व कलाकार।
हिन्दुस्तानी संगीत के वाद्यों का वर्गीकरण।
पाश्चात्य वाद्य– क्लारिनेट, चेलो, पियानो, मैंडोलियन, तंत्र– सितार, सरोद, दिलरूबा, सुरबहार, रूद्रवीणा, संतूर, गिटार, तानपूरा, वायलिन
सुषिर– बाँसुरी, शहनाई

8. **लोक संगीत :**
उत्तर भारतीय संगीत पर लोक संगीत का प्रभाव। उत्तर प्रदेश के कुछ प्रमुख लोक गीत शैली एवं लोक वाद्यों का अध्ययन।

9. **संगीत शिक्षण एवं शोध तकनीक :**
संगीत शिक्षण के संदर्भ में इलेक्ट्रानिक यंत्रों एवं शिक्षण में प्रयुक्त की जाने वाली सहायक सामग्री की प्रयोगात्मकता।
संगीतात्मक शोध के अर्न्तगत संक्षेपिका, सामग्री संकलन, क्षेत्रीय कार्य, प्रोजेक्ट रिपोर्ट लेखन, संदर्भ ग्रन्थ सूची, संदर्भ सामग्री आदि से सम्बन्धित शोध विधियां अथवा शोध प्रविधि।

10. **निम्न रागों का विस्तृत अध्ययन, आविर्भाव, तिरोभाव तथा अल्पत्व–बहुत्व सहित :**
भैरव, यमन, भैरवी, खमाज, बिहाग, अहीर भैरव, नट भैरव, पूरिया, मारवा, सोहनी, बसन्त, परज, जोग, मारूबिहाग, पूरिया कल्याण, तोड़ी, मुलतानी, दरबारी, अड़ाना, मियां मल्हार, बहार, जौनपुरी, भीमपलासी, आसावरी, मधुवन्ती, पटदीप काफी पूर्वी, बिलावल, अल्हैया विलावल, गुर्जरी तोड़ी, बिलासखानी तोड़ी, पूरिया धनाश्री, मेघ मल्हार, शिवरंजनी, आभोगी कान्हणा, विभास, कालिंगड़ा, देशकार, मालकोंस, जैजैवन्ती, देश, तिलंग, गुर्जरीतोड़ी, देसी, वैरागी, ललित

11. **भारतीय संगीत का इतिहास उत्पत्ति एवं विकास**
पूर्व वैदिक काल, वैदिक काल, प्राचीन काल, मध्य काल, आधुनिक काल,

12. **हिन्दुस्तानी तालों का सम्पूर्ण विवरण–**
तीन ताल, तिलवाड़ा, एक ताल, चार ताल, झपताल, सूल ताल, रूपक, आड़ा–चार ताल, तीव्रा, गजझम्पा, धमार, पंचम सवारी, पंजाबी, बम्ह, लक्ष्मी, रूद्र ताल,
कर्नाटकीय ताल–सप्त ताल एवं सप्त जाति, ताल चिन्ह